University of Technology

परिसर प्रतिध्वनि

(नवोन्मेष, युवा ऊर्जा एवं अन्तःक्रिया का अभिव्यक्ति मंच)

मासिक भित्ति पत्रिका, अंक - 16, अप्रैल 2026

प्रधान संरक्षक	-	श्रीमती मीनाक्षी सुराना
प्रमुख संरक्षक	-	डॉ. प्रेम सुराना
मुख्य संरक्षक	-	डॉ. अंशु सुराना
प्रेसिडेंट (वाइस चांसलर)	-	प्रो. (डॉ.) रश्मि जैन
वरिष्ठ सलाहकार	-	प्रो. (डॉ.) अरविन्द कुमार अग्रवाल
प्रधान संपादक	-	प्रो. (डॉ.) अंकित गांधी
संपादक	-	डॉ. प्रेम कुमार
सह-संपादक	-	डॉ. मोनिका शर्मा
खेल संपादक	-	श्री यश यादव

प्रेसिडेंट(वाइस चांसलर) महोदया का संदेश ...

प्रिय विश्वविद्यालय परिवार,

हमारे विश्वविद्यालय की मासिक भित्ति पत्रिका 'परिसर प्रतिध्वनि' का अप्रैल 2026 अंक आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अंक के माध्यम से हम प्रमुख आयोजनों, गतिविधियों और उपलब्धियों का संकलन प्रस्तुत कर रहे हैं, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा को और भी समृद्ध और प्रभावशाली बना रहे हैं। इस समय में हम यह भी महसूस करते हैं कि जो प्रयास हमारे विश्वविद्यालय में हो रहे हैं, वे सिर्फ शैक्षणिक नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और हमारे विद्यार्थियों की संपूर्ण विकास यात्रा का भी हिस्सा हैं। विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित सम्मेलन, कार्यशालाएँ, शोध-परिचर्चाएँ, और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ हमारे विश्वविद्यालय को एक गहरे सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। इस अंक में प्रस्तुत सामग्री हमारे विश्वविद्यालय के प्रयासों की यही छवि प्रस्तुत करती है। 'परिसर प्रतिध्वनि' केवल एक पत्रिका नहीं है, बल्कि यह हमारे विचारों, रचनात्मकता और सामूहिक प्रयासों का प्रतिनिधित्व करती है। यह पत्रिका विभागों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हमारे विश्वविद्यालय समुदाय को एक साझा मंच प्रदान करती है, जहां हम अपनी रचनात्मकता, नवाचार और दृष्टिकोण को साझा करते हैं। इसके माध्यम से हम अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक दूसरे से सीखने और प्रेरित होने का अवसर प्रदान करते हैं। मुझे विश्वास है कि 'परिसर प्रतिध्वनि' भविष्य में भी इसी तरह अपने समर्पण, गुणवत्ता और ऊँचे उद्देश्यों के साथ विश्वविद्यालय की नवीनीकरण और समृद्धि के प्रतीक के रूप में कार्य करती रहेगी। इस अंक के सफल प्रकाशन हेतु संपादक मंडल, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, लेखकों और सभी सहयोगियों को धन्यवाद एवं बधाई। आपके योगदान के बिना यह संभव नहीं हो पाता। आप सभी के उज्ज्वल भविष्य, निरंतर सफलता और समृद्धि के लिए मेरी शुभकामनाएँ। मैं आशा करती हूँ कि हम सभी मिलकर विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक सफर को और भी ऊँचाईयों तक ले जाएं।

प्रो. (डॉ.) रश्मि जैन
प्रेसिडेंट (वाइस चांसलर)
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

कुलसचिव महोदय की कलम से...

'परिसर प्रतिध्वनि' के अप्रैल 2026 के अंक के प्रकाशन पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह पत्रिका विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, और सामाजिक जीवन की धरोहर को सहेजते हुए हर माह नई जानकारी और प्रेरणा का स्रोत बनती है। इस अंक के माध्यम से हम देख सकते हैं कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं, शोध कार्यों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और समर्पणपूर्ण गतिविधियों के द्वारा लगातार उच्च मानकों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत तथ्यपरक और सार्थक रिपोर्ट्स हमारे संस्थान के निरंतर विकास, नवाचार और समर्पित प्रयासों को उजागर करती हैं। विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य, चाहे वह छात्र हो, शिक्षक हो या कर्मचारी, इस पत्रिका के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति, विचार और रचनात्मकता को साझा करने का अवसर पाता है, जिससे विश्वविद्यालय में सकारात्मक संवाद और समन्वय की संस्कृति विकसित होती है। 'परिसर प्रतिध्वनि' की सफलता सिर्फ इस बात में नहीं है कि यह संस्थान की गतिविधियों का सटीक विवरण प्रस्तुत करती है, बल्कि यह इस बात में भी है कि यह विश्वविद्यालय के प्रत्येक वर्ग को अपनी आवाज़ सुनाने का एक मंच प्रदान करती है। इस पत्रिका के माध्यम से हम सभी को साझा मंच पर विचार, दृष्टिकोण और अनुभव साझा करने का अवसर मिलता है, जिससे हमारी सामूहिक सोच और सहयोग को बल मिलता है। कुलसचिव के रूप में मेरा दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संस्थान की सफलता पारदर्शिता, समन्वय और सक्रिय सहभागिता पर निर्भर करती है। 'परिसर प्रतिध्वनि' इन सिद्धांतों को लागू करते हुए विश्वविद्यालय समुदाय को प्रेरित करती है और हमें एक-दूसरे के विचारों और कार्यों से सीखने का अवसर देती है। इस अंक के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, सभी विभागाध्यक्षों, रचनाकारों, और सहयोगियों को मेरी हार्दिक बधाई और धन्यवाद...

डॉ. अनूप शर्मा
कुलसचिव
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

संपादकीय...

प्रिय पाठकों, सप्रेम नमस्कार,

अप्रैल का महीना हमारे जीवन में एक नई आशा और ऊर्जा का संचार लेकर आता है। यह वह समय होता है जब प्रकृति अपने पुनर्निर्माण की यात्रा पर निकल पड़ती है और हम अपने भीतर नवीनीकरण की भावना को महसूस करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर की मासिक भित्ति पत्रिका 'परिसर प्रतिध्वनि' का यह सोलहवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यधिक हर्ष हो रहा है। यह अंक हमारे विश्वविद्यालय के जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की उत्कृष्टता और सामूहिक प्रयासों को संजोता है। अप्रैल का महीना विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में उपस्थित होता है। यह वह समय है जब हम अपनी शैक्षणिक यात्रा की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं और भविष्य के लिए नई संभावनाओं का आकलन करते हैं। इस अंक में रिपोर्ट्स और गतिविधियाँ हमारे शैक्षणिक प्रयासों की गहरी छाप छोड़ती हैं। यहाँ तक कि इस महीने में आयोजित प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और सेमिनार्स और विकास की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रमाण हैं। 'परिसर प्रतिध्वनि' की ख़ासियत इस बात में है कि यह केवल शैक्षणिक गतिविधियों का पुनरावलोकन नहीं करती, बल्कि यह हमारे समाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक योगदान का भी दस्तावेज बनती है। जहाँ एक ओर ये कार्यक्रम विद्यार्थियों को नए विचारों और तकनीकी नवाचारों से परिचित कराते हैं, वहीं दूसरी ओर समाज के विभिन्न मुद्दों पर आधारित चर्चाएँ और संवाद, हमें समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को समझाने में सहायक सिद्ध होते हैं। मैं इस अंक के सफल प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और रचनाकारों का आभार व्यक्त करता हूँ। आपके निरंतर प्रयास और योगदान से ही 'परिसर प्रतिध्वनि' को एक समृद्ध और सशक्त मंच मिल पा रहा है। आइए, हम सभी मिलकर इस यात्रा को और अधिक प्रेरणादायक और सफल बनाएं। ज्ञान, नवाचार, और संवेदनशीलता की यह परंपरा हमें न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करती है, बल्कि हमें समाज और राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय भागीदार बनने की दिशा में मार्गदर्शन देती है। सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ और इस अंक के माध्यम से हम नए विचारों, प्रेरणाओं और उपलब्धियों को साझा करते हुए अपने विश्वविद्यालय को और अधिक ऊँचाइयों पर ले जाएं।

डॉ. प्रेम कुमार
सह-आचार्य, हिंदी विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

नोट:

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि अपने बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रियाएँ अवश्य प्रेषित करें, जिससे आगामी अंकों को और अधिक समृद्ध एवं उपयोगी बनाया जा सके।

School of Law Organize workshop on World Consumer's Day

Jaipur, 16 March 2026, The School of Law organized a special workshop on the occasion of World Consumer's Day, bringing together faculty members, experts, and dignitaries to discuss consumer protection and rights. In the opening session, experts Dr. Yogendra Singh Saini and Dr. Pankaj Kumar Verma shared their professional insights on the current challenges facing consumers and the importance of strong safeguards. They emphasized practical measures consumers can take and highlighted the role of legal frameworks in ensuring fair treatment in the marketplace. Dr. Monika Sharma Dean, School of Law, elaborated on consumers' rights and relevant laws, explaining key provisions designed to protect consumers from unfair practices. Her talk provided attendees with a clear understanding of statutory rights, complaint mechanisms, and the broader objectives of consumer protection in India. The event was supported by staff members Mr. Virendra, Mr. Lateef, Ms. Himanshi, and Mr. Rajnarain Sharma, whose efforts contributed to the smooth conduct and success of the program.

Blessings and encouragement were offered by senior leaders, with Dr. Anshu Surana Dr. Rashmi Jain, Dr. Ankit Gandhi, and Dr. Anoop Sharma. Their presence underscored the significance of educating students and the wider community about consumer rights. Although World Consumer Rights Day is globally observed on 15 March, the workshop was held the following day, continuing the spirit of the international campaign to raise awareness and protect consumers. Consumers International notes that the consumer movement marks 15 March each year to raise global awareness about consumer rights and needs. The program concluded with a renewed commitment from participants to promote informed, responsible consumer behaviors and to uphold the principles of fairness and justice in consumer affairs.

‘साइंस फॉर सोसाइटी: नॉलेज, इनोवेशन एंड प्रोग्रेस–2026’ कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा IIC एवं IQAC के सहयोग से 18 मार्च 2026 को “साइंस फॉर सोसाइटी: नॉलेज, इनोवेशन एंड प्रोग्रेस–2026” कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम “ग्लोबल रीसाइक्लिंग डे” के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, नवाचार तथा रीसाइक्लिंग एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की संरक्षक विश्वविद्यालय की प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन रहीं। प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन ने कहा कि- “वर्तमान समय में संसाधनों का संरक्षण और उनका पुनः उपयोग (रीसाइक्लिंग) अत्यंत आवश्यक है।” उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे रीसाइक्लिंग की आदतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नागरिक बनें। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान और नवाचार के साथ-साथ रीसाइक्लिंग की सोच ही सतत विकास का आधार है। उन्होंने बताया कि 26 से 28 फरवरी 2026 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान भारती राजस्थान द्वारा एमएनआईटी जयपुर में राजस्थान विज्ञान महोत्सव के भव्य आयोजन के दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका जयपुर ने नॉलेज पार्टनर के रूप में सहभागिता की, जिसमें विश्वविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन को विज्ञान भारती द्वारा सम्मानित भी किया गया था।

इस अवसर पर प्रो-प्रेसीडेंट डॉ. अंकित गांधी ने विद्यार्थियों को विज्ञान एवं नवाचार के माध्यम से समाज के विकास में योगदान देने तथा रीसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया। प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे विज्ञान महोत्सव विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ रीसाइक्लिंग और सतत विकास की सोच ही देश के समग्र विकास को गति दे सकती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए मॉडल प्रदर्शन, पोस्टर प्रस्तुति एवं प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन सुश्री प्रतिभा वशिष्ठ एवं सुश्री ज्योति चौहान द्वारा किया गया। मॉडल एवं पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो

प्रेसीडेंट डॉ. अंकित गांधी द्वारा किया गया तथा इसका समन्वयन डॉ. चारू दुबे द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आकर्षक एवं नवाचारी मॉडल और पोस्टर प्रस्तुत किए।

मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान — राहुल राज यादव एवं यातेंद्र

द्वितीय स्थान — **सनी धवन**

तृतीय स्थान — **रिहान अफरीन**

पोस्टर प्रतियोगिता में

प्रथम स्थान — **तनिषा मीना**

द्वितीय स्थान — **प्रियांशु**

तृतीय स्थान — **सिमरन**

क्विज प्रतियोगिता में अनुराग सिंह, दीपक शर्मा, रोहित त्यागी, गौरव एवं सोहन सिंह की टीम विजेता रही। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. रजनी माथुर (आईक्यूएसी समन्वयक एवं गतिविधि समन्वयक) द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार तथा रीसाइक्लिंग और सतत विकास के प्रति जागरूकता विकसित करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

School of Law Organizes Letter Writing Competition on Shaheed Diwas

March 23, 2026, The School of Law at the University of Technology (UOT) successfully organized a Letter Writing Competition on the occasion of Shaheed Diwas (23rd March) under the theme "Vande Mataram @150 Years". The event aimed to instill patriotism and encourage students to express their thoughts and respect for the sacrifices of martyrs. The program was graced by the blessings and inspiring message of Dr. Anshu Surana, Chairperson of UOT, who motivated students to uphold national values and contribute meaningfully to society. Dr. Rashmi Jain, President of UOT, shared motivational quotes and extended her best wishes, inspiring students to channel their emotions into impactful writing.

Dr. Ankit Gandhi, Pro Vice-Chancellor, and Dr. Anoop Sharma, Registrar, also encouraged the participants and appreciated their thoughtful expressions dedicated to the nation. The event was organized under the leadership of Dr. Monika Sharma, Dean, School of Law, who emphasized the importance of such activities in developing awareness and sensitivity among students toward national history and values. The competition was successfully conducted by Dr. Yogendra Singh Saini, Dr. Himanshi Srivastava, Mr. Virendra, and Dr. Abhilasha Vaishnav, Jyoti and Pratibha whose dedicated efforts ensured the smooth execution of the event. Students participated enthusiastically and showcased their creativity and patriotism through impactful letters, making the event a grand success. The program concluded with appreciation for all participants and organizers for their active involvement and contribution.

‘रीजनल इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार’ का सफल आयोजन, ग्रामीणों की भी सक्रिय भागीदारी

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका, जयपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से 24 मार्च 2026 को “रीजनल इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार” का सफल आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य निवेशकों को सुरक्षित, जागरूक एवं जिम्मेदार निवेश के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, संकाय सदस्य एवं शोधार्थी शामिल हुए, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रामीण प्रतिभागियों ने निवेश एवं वित्तीय सुरक्षा से जुड़े विषयों में विशेष रुचि दिखाई। सेमिनार में निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे सुरक्षित निवेश, धोखाधड़ी से बचाव, निवेशक संरक्षण तथा कमोडिटी एवं शेयर बाजार की मूलभूत जानकारी पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता सौरभ खन्ना (एमसीएक्स) ने प्रतिभागियों को व्यवहारिक निवेश रणनीतियों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने कहा कि- “इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं एवं समाज को सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए प्रेरित करते हैं।” प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराणा ने अपने संदेश में कहा कि- “निवेश केवल आय का साधन नहीं, बल्कि जागरूकता और अनुशासन का प्रतीक भी है।”

प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने कहा कि- “वित्तीय साक्षरता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत आवश्यक है, जिससे लोग सुरक्षित निवेश कर सकें।” कुलसचिव डॉ. अनूप शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करता रहेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कमल जांगिड़ ने कहा कि इस प्रकार की पहल से समाज में वित्तीय जागरूकता का विस्तार होता है। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. रजनी माथुर ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विशेष रूप से ग्रामीण प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। “Invest Smart, Stay Secure” के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

विश्व ऑटिज्म अवेयरनेस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 02 अप्रैल 2026 को विश्व ऑटिज्म अवेयरनेस दिवस के उपलक्ष्य में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आज जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में ऑटिज्म के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके प्रति सकारात्मक एवं समावेशी दृष्टिकोण विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11:30 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित जागरूकता रैली से हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. वंदना सिंह ठाकुर, अधिष्ठाता, विशेष शिक्षा विभाग एवं डी. एड. (इंटेलेक्चुअल डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी) की छात्रा अलका यादव ने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को ऑटिज्म से संबंधित सामान्य जानकारी प्रदान की, साथ ही 20 अंकों का एक टेस्ट भी आयोजित किया गया। डॉ. वंदना सिंह ठाकुर ने अपने अनुभवों के आधार पर ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के साथ बिताए गए समय की स्मृतियाँ साझा कीं, जिससे विद्यार्थियों को इसके लक्षणों को समझने में सहायता मिली। इस अवसर पर दीपशिखा कला संस्थान के संस्थापक एवं चेयरपर्सन डॉ. प्रेम सुराना ने कहा कि- “ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों को समझना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।”

प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने अपने संदेश में कहा कि- “शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना भी है। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के प्रति धैर्य, सहयोग और समझ विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से जोड़ा जा सके। ऐसे जागरूकता

कार्यक्रम विद्यार्थियों को विविधताओं को स्वीकार करने, समावेशी सोच अपनाने और एक संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।" यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन ने अपने संदेश में कहा कि- "ऑटिज्म कोई बाधा नहीं, बल्कि एक अलग क्षमता है, जिसे उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग से सशक्त बनाया जा सकता है। ऑटिज्म जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके और प्रभावित बच्चों को सम्मानजनक स्थान मिल सके।" उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ऐसे सामाजिक अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अपने ज्ञान और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसे विद्यार्थियों द्वारा उनके मार्गदर्शन में पूर्ण रूप से संचालित किया गया, जिससे विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी एवं नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि- "आज के समय में विद्यार्थियों की भूमिका केवल शैक्षणिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें सामाजिक विषयों के प्रति भी जागरूक और सक्रिय होना चाहिए।" कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री हसन खान एवं श्री मनीष कुमार मीणा का विशेष सहयोग रहा। विभाग के संकाय सदस्य श्रीमती सीमा चौधरी, सुश्री गीता रानी, सुश्री भावना रावत, श्री धीरज कुमार नगर एवं श्री राघवेंद्र यादव भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने इस प्रकार के कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया, जिससे समाज में ऑटिज्म के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता को और अधिक बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सीताराम माली, डॉ. प्रेम कुमार, डॉ. रजनी माथुर, डॉ. जितेन्द्र सिंह, सुश्री खुशबू चौधरी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

जीवन मशरूम प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ एमओयू, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

दिनांक 03 अप्रैल 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर और जीवन मशरूम प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की अध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने कहा कि- "इस समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों को मशरूम की विभिन्न प्रजातियों की खेती से जुड़ी तकनीकों के साथ-साथ कृषि-व्यवसाय के क्षेत्र में कौशल विकास और उद्यमिता का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। इससे संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।" प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने कहा कि वर्तमान समय में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी अत्यंत आवश्यक है। इसी दृष्टिकोण के साथ विश्वविद्यालय छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित शिक्षण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों को उद्योग से जुड़े कौशल सीखने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में जीवन मशरूम प्रा. लि. के निदेशक श्री हंसराज मीणा, श्री शंकर मीणा (जीवन मशरूम प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर) एवं यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. कमल किशोर जांगिड़, डॉ. कुलदीप शर्मा (कृषि विभाग), इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के संयोजक डॉ. सागर कुमार आदि गणमान्य मौजूद रहें, साथ ही, जीवन मशरूम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री हंसराज मीणा ने कहा कि उनका समूह कृषि क्षेत्र से संबंधित आवश्यक रोजगारोन्मुखी कौशल एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर चेयरपर्सन डॉ. प्रेम सुराना ने अपने संदेश में कहा कि- "विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योग से जुड़े व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे बदलते समय की मांग के अनुरूप अपने कौशल का विकास कर सकें और बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।" वहीं, प्रो चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने कहा कि- "इस प्रकार के शैक्षणिक एवं औद्योगिक सहयोग से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने करियर की सही दिशा मिलती है।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी भविष्य में कृषि विभाग के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

करियर अवसर एवं POCSO अधिनियम पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 4 अप्रैल 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका के स्कूल ऑफ लॉ द्वारा करियर अवसर एवं बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) विषय पर एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज को बाल संरक्षण कानूनों तथा विधि क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों के प्रति जागरूक करना था। डॉ. मोनिका शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ लॉ, ने बाल अपराधों एवं उनके समाधान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने POCSO अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों की सुरक्षा एवं न्याय सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री वीरेंद्र सिंह एवं डॉ. हिमांशी श्रीवास्तव ने विधि क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को अपने भविष्य के प्रति प्रेरित किया। रिया चिल्ड्रन एकेडमी के निदेशक श्री कृष्ण कुमार शर्मा एवं उनकी टीम ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करते हुए स्कूल ऑफ लॉ के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने करियर एवं अपराध संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे, जिससे कार्यक्रम अत्यंत संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक बना। संस्थान की अध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के चेयरमैन डॉ. अंशु सुराणा ने संदेश के माध्यम से कार्यक्रम की सराहना करते हुए विभाग को इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रायोजित/सीड अनुदान प्रस्ताव कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन

दिनांक 04 अप्रैल 2026 को प्रायोजित/सीड अनुदान प्रस्ताव कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की आदरणीय प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन एवं प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ, जिनका निरंतर सहयोग संस्थान में नवाचार, शोध एवं उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने कहा कि- “इस प्रकार के कार्यशाला से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने करियर की सही दिशा मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भविष्य में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।” कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. कुलदीप शर्मा, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, एवं इनोवेशन एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर (IIC) ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रभावी प्रपोजल लेखन की रणनीतियाँ, फंडिंग एजेंसियों की आवश्यकताएँ तथा सफल प्रस्ताव के मुख्य घटकों के बारे में विस्तार से बताया।

प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने कहा- “कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को स्पॉन्सर्ड एवं सीड ग्रांट प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया, आवश्यकताओं एवं तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना था, ताकि वे शोध एवं नवाचार गतिविधियों में अधिक प्रभावी योगदान दे सकें।” इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य एवं IIC के सदस्यों ने अपने-अपने विभागों के विद्यार्थियों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला में गहरी रुचि दिखाई और विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के संयोजक डॉ. सागर कुमार ने मुख्य वक्ता, आयोजकों एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस प्रकार की और भी उपयोगी कार्यशालाओं के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। यह कार्यशाला शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर योग एवं खेल गतिविधियों का आयोजन

दिनांक 07 अप्रैल 2026 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), योग विभाग एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न स्वास्थ्य एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर ‘योग फॉर लाइफस्टाइल डिजीजेस’ विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे तनाव, मोटापा, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की रोकथाम में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। योग प्रशिक्षक डॉ. महादेव सैनी द्वारा सरल आसनों एवं प्राणायाम का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, साथ ही खेल विभाग द्वारा फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका संचालन श्री यश यादव ने किया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम एवं खेलों के महत्व के प्रति प्रेरित किया गया। यह संदेश दिया गया कि खेल शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने कहा कि- “इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा समग्र विकास में सहायक होते हैं।”

माननीय प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने अपने संदेश में कहा कि- “स्वस्थ जीवन के लिए योग एवं खेल दोनों का नियमित अभ्यास आवश्यक है।” कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को योग एवं खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के संकल्प के साथ किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. रजनी माथुर, IQAC समन्वयक द्वारा किया गया, जिसमें संकाय सदस्य डॉ. चारू दुबे, सुश्री मनीषा यादव एवं सुश्री खुशबू चौधरी का सक्रिय सहयोग रहा। विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाया।

आध्यात्मिक विज्ञान सत्र का सफल आयोजन, विद्यार्थियों को मिला ज्ञान और अनुभव का अनूठा संगम

दिनांक 08 अप्रैल 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर में एक विशेष आध्यात्मिक विज्ञान सत्र का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को आध्यात्मिकता, ध्यान एवं मानसिक संतुलन के महत्व से अवगत कराना था। इस अवसर पर प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु डॉ. बी. शिवरामप्पा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन, प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी, तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत शांत, सकारात्मक एवं ऊर्जा से भरपूर रहा। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में डॉ. शिवरामप्पा ने योग, ध्यान एवं आध्यात्मिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक एवं तनावपूर्ण जीवन में मानसिक शांति, आत्म-संतुलन एवं सकारात्मक सोच का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी समझाया कि नियमित ध्यान एवं आध्यात्मिक अभ्यास से व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति को पहचान सकता है तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सकारात्मक एवं नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव पर आधारित प्रायोगिक प्रदर्शन रहा। इस प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को यह प्रत्यक्ष रूप से समझाया गया कि ऊर्जा का हमारे विचारों, व्यवहार एवं वातावरण पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है। इस अनुभवात्मक प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया और विषय को समझने का एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। इस अवसर पर प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन एवं प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में

आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने एवं संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं गुडलक प्लांट भेंट कर किया गया। इस कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम और भी सफल एवं प्रभावशाली बन सका। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चारू दुबे द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं व्यवस्थित रूप से किया गया, जिसने पूरे कार्यक्रम को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया। अंत में डॉ. हिमांशी श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री पंकज कुमार वर्मा, वीरेंद्र चौधरी एवं सुरेंद्र चौधरी का विशेष सहयोग रहा, जिनके निरंतर प्रयासों एवं समर्पण से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सका। समग्र रूप से यह कार्यक्रम ज्ञान, प्रेरणा एवं अनुभव का एक अनूठा संगम सिद्ध हुआ, जिसने सभी प्रतिभागियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा एवं आध्यात्मिक जागरूकता का संचार किया।

सार्थक बदलाव

परीक्षा टाइम टेबल याद रखने में लापरवाही से परीक्षा छूट गई। जीवन में कई बार छोटी-सी लापरवाही हमें बड़ा सबक सिखा देती है। मेरे जीवन में भी एक ऐसा ही अनुभव आया जिसने मुझे अंदर तक बदल दिया। बी.एससी. (ऑनर्स) की परीक्षा के समय मैंने टाइम टेबल को गंभीरता से नहीं लिया। न तो उसे दीवार पर आँखों के सामने लगाया और न ही तिथियों को सही ढंग से लिखकर दोबारा जाँचा। मैंने एक गलत तारीख याद रख ली। परिणामस्वरूप, एक महत्वपूर्ण परीक्षा का पेपर मुझसे छूट गया। जब मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ तो बहुत पछतावा हुआ। उस समय ऐसा लगा मानो मेरी मेहनत पर पानी फिर गया हो। दो पेपरों में से मैं केवल एक में ही उपस्थित हो सकी। उस एक ही पेपर में मैंने पूरी लगन से परीक्षा दी। सौभाग्य से प्राप्त अंकों के आधार पर मैं पास तो हो गई, लेकिन प्रतिशत अपेक्षा से कम रह गया।

उस घटना ने मुझे गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया। मैंने महसूस किया कि सफलता केवल परिश्रम से नहीं, बल्कि अनुशासन और सजगता से भी मिलती है। यदि मैंने समय पर टाइम टेबल को सही तरीके से देखा और याद रखा होता, तो यह स्थिति नहीं आती। उस दिन के बाद मैंने कभी भी पढ़ाई या किसी भी कार्य में लापरवाही नहीं की। हर परीक्षा का टाइम टेबल मैं दीवार पर लगाती, डायरी में लिखती और बार-बार जाँचती। यह छोटी-सी आदत मेरे जीवन में एक सार्थक बदलाव लेकर आई। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि जिम्मेदारी और समय प्रबंधन ही सफलता की असली कुंजी है।

डॉ. रजनी माथुर
डीन, स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज

सामुदाय आधारित पुनर्वास (CBR) कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 06 से 11 अप्रैल 2026 तक विशेष शिक्षा विभाग द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास (CBR- Community Based Rehabilitation) कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन अधिष्ठाता डॉ. वंदना सिंह ठाकुर के निर्देशन में किया गया। डॉ. वंदना सिंह ठाकुर ने वाटिका गांव का भ्रमण कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि समुदाय आधारित पुनर्वास (CBR) कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान केवल दिव्यांगता से संबंधित ही नहीं, बल्कि अनेक सामाजिक एवं बुनियादी समस्याएं भी सामने आती हैं। इनमें स्वच्छता एवं पेयजल की कमी, बच्चों का विद्यालय न जाना, आधार कार्ड बनवाने में कठिनाई तथा दिव्यांगजनों के विकलांगता प्रमाण पत्र न बन पाना जैसी प्रमुख समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इन चुनौतियों के प्रति संवेदनशील रहते हुए समग्र एवं समाधानात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराणा ने कहा कि- "CBR के माध्यम से हम समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाकर समावेशी विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं। यह पहल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अधिकारों को मजबूत करती है।"

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को ग्राम तीतरिया, टूंटोली, कुम्हारियावास एवं वाटिका क्षेत्रों में भेजा गया, जहाँ उन्होंने समुदाय के साथ संवाद स्थापित कर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की स्थिति एवं आवश्यकताओं का अध्ययन किया गया। इस दौरान कुल 55 विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांगजन चिन्हित किए गए, जिनमें तीतरिया से 21, टूंटोली से 4, कुम्हारियावास से 6 एवं वाटिका से 24 दिव्यांगजन शामिल रहे। क्षेत्रवार समन्वयक के रूप में तीतरिया में हसन दीन खान, कुम्हारियावास में राघवेंद्र यादव, टूंटोली में मनीष कुमार मीणा तथा वाटिका में भावना रावत ने अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इनके अतिरिक्त धीरज कुमार नागर, श्रीमती सीमा चौधरी एवं गीता रानी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने कहा कि- "समुदाय आधारित पुनर्वास (CBR) समाज में समावेशिता को सशक्त करने का एक प्रभावी माध्यम है। यह पहल विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।" प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि CBR कार्यक्रम शिक्षा और समाज के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। इससे विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता एवं व्यावहारिक समझ का विकास होता है। कुलसचिव डॉ. अनूप शर्मा ने कहा कि- "ऐसे कार्यक्रम संस्थान की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाते हैं। यह न केवल जागरूकता फैलाते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी सहायक होते हैं।"